तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
	हमने पत्रावली एवं पत्रावली में प्रस्तुत दस्तावेज का अवलोकन किया। प्रार्थीगण ने प्रा० पत्र के साथ राजस्व अपील प्राधिकारी नागौर में प्रस्तुत अपील की आदेशिका व अपील की प्रमाणित प्रति पेश की है जिसमे माननीय न्यायालय द्वारा ग्राम बस्सी के ख.नं. 177 रकबा 38-19 बीघा भूमि बाबत इस न्यायालय का पूर्व आदेश दिनांक 6.4.05 की पालना व क्रियान्विति आगामी पैशी तक स्थगित कर राजस्व रिकार्ड व मौके की यथास्थिति व भूमि रहन, बय व मुन्तकिल न किये जाने हेतु स्थगन आदेश जारी किया हुआ है तथा अपील विचाराधीन है जिसमें प्रार्थीगण अपीलान्ट व इस वाद के वादी व प्रतिवादीगण रेस्पोंडेन्ट है। उक्त अपील व इस वाद में विवादित आराजीयत एक ही है तथा पक्षकार भी एक ही है। जिससे प्रतीत होता है कि इस वाद में प्रार्थीगण का हित निहित है तथा प्रार्थीगण इस वाद में आवश्यक पक्षकार है तथा प्रार्थीगण को सुनवाई अवसर दिया जाना उचित है। अत: प्रार्थीगण का प्रार्थना पत्र O1R10CPC स्वीकार किया जाकर प्रार्थीगण को इस वाद में प्रतिवादीगण के रूप में पक्षकार बनाया जाता है। तथा जवाब दावा पेश करने हेतु अवसर दिया जाता है। वकील वादी संशोधित शीर्षक व प्रतिवादी 2 से 6 व 8 से 28 के सम्मन पेश करे मि० दि० 10/2/20 को पेश हो। [initials]	
10/2/20	पत्रावली पेश हुई। वकील वादी व वादी स्वंय को बार-बार अवाज लगायी गई। जिसके बावजुद अनुपस्थित रहे है अत: वाद वादी अदम हाजरी व अदम पैरवी में खारिज किया जाता है पत्रावली फैसल शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो। [initials]	